Adobe

AI इनफ़्लेक्शन प्वाइंट

अपने ऑर्गनाइज़ेशन में AI को ज़िम्मेदारी से कैसे अपनाएँ.

कॉन्टेंट्स

I. परिचय: आज AI को ज़िम्मेदारी से अपनाए जाने की ज़रूरत. 3

II. फ़्रेमवर्क का ओवरव्यू: स्केलेबल, नैतिक AI भविष्य बनाना. 4

1. आंकलन करें: ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी और ज़िम्मेदारी से बनी AI टेक्नोलॉजी को चुनना. 5

1.1 ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी को इवैल्यूएट करें. 5

1.2 ज़िम्मेदारी से बनाई गई AI टेक्नोलॉजी चुनें. 6

2. पायलट करें: हाई-इम्पैक्ट यूज़ केसेज़ को पहचानना और पायलट करना. 8

2.1 प्राइऑरिटी यूज़ केसेज़ को पहचानें और तैयार करें. 8

2.2 बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI क्राइटेरिया के प्रति पायलट करें. 8

3. अपनाएँ: AI को पूरे ऑर्गनाइज़ेशन में ज़िम्मेदारी से इंटीग्रेट करना. 9

3.1 ऑर्गनाइज़ेशन को ट्रेन करें और इनेबल करें. 10

3.2 ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए डिप्लॉय करें. 10

4. मॉनिटर करें: लगातार निगरानी और सुधार. 11

4.1 परफ़ॉर्मेंस को बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI बेंचमार्क्स के प्रति मॉनिटर करें. 11

4.2 जारी रिस्क मैनेजमेंट. 12

III. अपने ऑर्गनाइज़ेशन में बेस्ट प्रैक्टिसेज़ को शामिल करना. 16

1. इम्प्लॉयी यूज़ गाइडेंस: 16

1.1 डेटा सेंसिटिविटी: 16

1.2 AI के इस्तेमाल में ट्रांसपेरेंसी:. 16

1.3 अकाउंट मैनेजमेंट पॉलिसीज़: 16

2. वेंडर इवैल्यूशन नमूना सवाल. 17

3. AI गवर्नेंस लीवर्स. 18

IV. ज़िम्मेदार इम्प्लीमेंटेशन से ज़िम्मेदार इनोवेशन बनता है. 19

इन मेन्यू आइकन पर क्लिक करके इस पेज पर लौटें

I. परिचय: आज AI को ज़िम्मेदारी से अपनाए जाने की ज़रूरत.

AI चूँकि पूरी इंडस्ट्री में ट्रांसफ़ॉर्मेशन का प्रेरक बनता जा रहा है, ऐसे में एग्ज़िक्यूटिव्स को तेज़ी से इनोवेट करने, कॉम्पिटिटिव खतरों पर ध्यान देने और ऑपरेशनल एफ़िशिएंसीज़ बढ़ाने के ज़बरदस्त प्रेशर का सामना करना पड़ रहा है. एंटरप्राइज़ेस के अंदर AI को अपनाने की होड़ से हालाँकि नए रिस्क भी सामने आते हैं. चौकस निगरानी न होने पर, AI का यह तेज़ इम्प्लीमेंटेशन रेग्यूलेटरी गलत कदमों, ऑपरेशनल रुकावटों और लॉन्ग-टर्म शोहरत को नुकसान की तरफ़ ले जा सकता है. ज़िम्मेदारी की ज़रूरत को रफ़्तार बढ़ाए जाने से बैलेंस करना करना अब दुविधा नहीं है — यह स्ट्रैटेजिक ज़रूरत है.

AI को गवर्न करना और इसके रिस्क्स का मैनेज करना अकसर भारी-भरकम काम जैसा लगता है. नई गाइडलाइन्स, फ़्रेमवर्क्स और पॉलिसीज़; इवॉल्व हो रहे इंटरनेशनल, फ़ेडरल और लोकल कानून के साथ; इन पेचीदगियों से अकसर यह समझना मुश्किल हो सकता है कि ऑर्गनाइज़ेशन्स को कहाँ से शुरुआत करनी चाहिए और इससे शुरुआत से ही स्टेकहोल्डर्स के लिए चैलेंजेज़ पैदा हो सकते हैं. Adobe में जवाबदेही, ज़िम्मेदारी और ट्रांसपेरेंसी के हमारे **AI Ethics सिद्धांतों** पर टिके ज़िम्मेदार इनोवेशन के हमारे एक्सपीरिएंस से हमें इन चैलेंजेज़ से आगे बढ़ने में गहरे इनसाइट्स मिले हैं.

हमारे एक्सपीरिएंस ने दिखाया है कि ज़िम्मेदार AI इनोवेशन की राह भले ही डरावनी लगती है लेकिन सही टूल्स, स्ट्रैटेजी और माइंडसेट के साथ आसानी से कामयाबी हासिल की जा सकती है.

ऑर्गनाइज़ेशन्स जब अपनी AI स्ट्रैटेजीज़ डेवलप करते हैं, तब उनके सामने आने वाले मुख्य फ़ैसलों में से एक फ़ैसला यह होता है कि क्या उन्हें AI सॉल्यूशन बनाना है, खरीदना है या कस्टमाइज़ करना है या इन तीनों का कॉम्बिनेशन किया जाना है. यह अप्रोच AI सॉल्यूशन खरीदने का इरादा रखने वाले और AI सॉल्यूशन्स को बाहर से हासिल करने — स्टेकहोल्डर्स आज जहाँ हैं, उनसे वहीं मिलने, की चाह वाले ऑर्गनाइज़ेशन्स के लिए मौजूदा वैल्यूज़ और बिज़नेस प्रैक्टिसेज़ बनाने का इरादा रखने वाले ऑर्गनाइज़ेशन्स में सुधार लाता है. स्वतंत्र रिसर्च पर टिका और AI गवर्नेंस के बारे में एक्सपर्ट इंटरव्यूज़ से जानकारी लेने वाला, यह फ़्रेमवर्क आगे का एक्शनेबल रास्ता ऑफ़र करता है जिससे ऑर्गनाइज़ेशन्स को अपनी मौजूदा स्थिति का आंकलन करने और पूरे एंटरप्राइज़ में ज़िम्मेदार AI सिद्धांत एम्बेड करने के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेज़ देने में मदद मिलती है. इसमें इवॉल्व हो रहे लैंडस्केप के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए इम्प्लॉयी जेनरेटिव AI इस्तेमाल गाइडलाइन्स तय करने, मज़बूत प्रश्नावलियों के ज़रिए वेंडर्स को इवैल्यूएट करने और AI के लिए गवर्नेंस प्रोसेसेज़ को अपडेट करने के लिए प्रैक्टिकल स्टेप्स शामिल हैं.

आप अपनी AI जर्नी में चाहे कहीं भी हों — चाहे आपके ऑर्गनाइज़ेशन की AI तैयारी का आंकलन किया जाना हो या मौजूदा स्ट्रैटेजीज़ को रिफ़ाइन किया जाना हो — इस फ़्रेमवर्क से ज़िम्मेदारी से स्केल करने के लिए इंसानी होशियारी और कटिंग-एज AI गवर्नेंस को मिलाने वाला साबित अप्रोच मिलता है. इस रोडमैप का पालन करके, ऑर्गनाइज़ेशन्स असरदार तरीके से AI सॉल्यूशन्स का आंकलन, पायलट, अपना सकते हैं और मॉनिटर कर सकते हैं जिससे भरोसा बढ़ाने वाली, रिस्क घटाने वाली और टिकाऊ बिज़नेस वैल्यू को बढ़ावा देने वाली लचीली फ़ाउंडेशन बनती है.

II. फ़्रेमवर्क का ओवरव्यू: स्केलेबल, नैतिक AI भविष्य बनाना.

कामयाब जेनरेटिव AI इम्प्लीमेंटेशन के लिए सिर्फ़ एक्शन्स की चेकलिस्ट ही काफ़ी नहीं है— इसके लिए ऐसे स्ट्रैटेजिक, लेयर्ड अप्रोच की ज़रूरत होती है जहाँ हर स्टेप पिछले स्टेप से आगे बढ़ता है जिससे टिकाऊ इनोवेशन और नैतिक AI प्रैक्टिसेज़ की नींव बनती है. यह फ़्रेमवर्क ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी के आंकलन से लेकर असरदार तरीके से स्केलिंग करने और AI सिस्टम्स की लगातार मॉनिटरिंग तक — हर स्टेज में ज़िम्मेदार AI प्रैक्टिसेज़ को इंटीग्रेट करने के लिए डिज़ाइन किए गए इंटरलॉकिंग बिल्डिंग ब्लॉक्स की सीरीज़ के रूप में काम करता है.

AI अपनाए जाने को प्रोसेस-ड्रिवन कवायद के रूप में देखने के बजाय, यह फ़्रेमवर्क आपकी ऑर्गनाइज़ेशनल ज़रूरतों के साथ-साथ इवॉल्व होने वाले बिल्डिंग सिस्टम्स बनाने पर फ़ोकस करता है. इसमें मानवीय चौकसी और एडवांस्ड AI टेक्नोलॉजी के बीच बेहद अहम बैलेंस पर ज़ोर दिया जाता है जिससे यह एनश्योर होता है कि ऑर्गनाइज़ेशन्स AI की संभावना का लाभ उठाने के साथ-साथ नैतिक, रेग्यूलेटरी और ऑपरेशनल गोल्स से भी अलाइन कर सकें.

इस फ़्रेमवर्क के अंदर हर फ़ेज़ — तैयारी का आंकलन, ज़िम्मेदार पायलटिंग, अपनाए जाने को स्केल करना और लगातार मॉनिटरिंग — हर स्टेप पर एक-दूसरे को मज़बूती देने वाले इंटीग्रेटेड खंभों की तरह लॉन्ग-टर्म कामयाबी को सपोर्ट करता है. हर फ़ेज़ में ज़िम्मेदार AI प्रैक्टिसेज़ को एम्बेड करके कंपनियाँ भरोसे, ट्रांसपेरेंसी और जवाबदेही को बढ़ावा देते हुए AI अपनाए जाने की पेचीदगियों में आगे बढ़ सकती हैं.

एक्सपर्टीज़ पर टिका और रिसर्च से जानकार.

Adobe ने अलग-अलग तरह की इंडस्ट्रीज़ में 200 से ज़्यादा IT, ऑर्गनाइज़ेशनल और कंप्लायंस लीडर्स से इनसाइट्स इकट्ठा करते हुए, जेनरेटिव AI अपनाए जाने का सर्वे करने के लिए स्वतंत्र रिसर्च फ़र्म को इंगेज किया. यह रिसर्च AI अपनाए जाने में मौजूदा प्रैक्टिसेज़, चैलेंजेज़ और कामयाब स्ट्रैटेजीज़ को उजागर करती है. इसके अलावा, Adobe ने इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के साथ गहन इंटरव्यूज़ किए और यूरोपियन यूनियन AI एक्ट, NIST AI रिस्क मैनेजमेंट फ़्रेमवर्क, सिंगापुर के AI Verify, IEEE Standard 7000, and ISO 42001 समेत ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को रिव्यू किया. ये कोशिशें एनश्योर करती हैं कि AI अपनाए जाने की प्रोग्रेस चाहे कुछ भी हो, यह फ़्रेमवर्क सभी इंडस्ट्रीज़ और ऑर्गनाइज़ेशनल साइज़ेस में लागू हो.

1. आंकलन करें: ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी और ज़िम्मेदारी से बनी AI टेक्नोलॉजी को चुनना.

AI को ज़िम्मेदारी से अपनाए जाने की जर्नी इसे आगे लीड करने वाले लोगों से शुरू होती है. AI आपकी स्ट्रैटेजिक प्राइऑरिटीज़ में कैसे फ़िट बैठता है, इसे इवैल्यूएट करने में ज़रूरी टूल्स, डेटा और इनसाइट्स से यह आंकलन फ़ेज़ फ़ैसले लेने वालों को ताकत देता है. यह फ़ेज़ क्रॉस-फ़ंक्शनल लीडर्स को ऑर्गनाइज़ेशन के टेक्निकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस फ़्रेमवर्क्स और AI लिटरेसी परखने में इनेबल करता है जिससे कुल मिलाकर तैयारी को तय करने में मदद मिलती है.

1.1 ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी को इवैल्यूएट करें.

हालाँकि कई ऑर्गनाइज़ेशन्स ने AI को अपनाना शुरू कर दिया है, फिर भी सर्वे में शामिल लोगों में से सिर्फ़ 21% ने अपनी ज़िम्मेदार AI प्राइऑरिटीज़ को पूरी तरह से डेवलप किया है, 78% अभी भी प्रोग्रेस या प्लानिंग स्टेजेज़ में हैं जिससे तैयारी के अप्रोचेज़ की साफ़ ज़रूरत रेखांकित होती है. ज़िम्मेदार AI में नींव बनाने के लिए IT, कंप्लायंस, रिस्क मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजी में लीडर्स ज़रूरी हैं. इसकी ऑर्गनाइज़ेशन के गवर्नेंस फ़्रेमवर्क्स और AI लिटरेसी के व्यापक रिव्यू से शुरुआत होती है ताकि AI अपनाए जाने पर असर डाल सकने वाली कमियों पहचानी जा सकें.

AI तैयारी को इवैल्यूएट करने में ऑर्गनाइज़ेशन्स द्वारा समग्र अप्रोच अपनाए जाने की ज़रूरत होती है जिसमें टॉप-डाउन लीडरशिप इनीशिएटिव्स को AI से रोज़ाना इंगेज होने वाले इम्प्लॉयीज़ के बॉटम-अप फ़ीडबैक से मिलाया जाता है.

तैयारी के लिए एक्शन्स:

विशाल तैयारी ऑडिट संचालित करें — ताकतों और सुधार के क्षेत्र पहचानने के लिए ऑर्गनाइज़ेशन की टेक्निकल इन्फ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स, AI से संबंधित पॉलिसीज़, ज़िम्मेदार इनोवेशन फ़्रेमवर्क्स और कंप्लायंस प्रैक्टिसेज़ को इवैल्यूएट करें — जिससे स्ट्रैटेजिक गोल्स और AI को ज़िम्मेदारी से अपनाए जाने की माँगों, दोनों का अलाइनमेंट एनश्योर होता है.

कोलैबोरेटिव रूप से मुख्य कमियाँ पहचानें और सुलझाएँ — IT, कानूनी, कंप्लायंस और बिज़नेस यूनिट्स समेत — क्रॉस-फ़ंक्शनल टीम्स को इंगेज करते हुए सिक्योरिटी, प्राइवेसी, कानूनी, कंप्लायंस और ट्रांसपेरेंसी स्टैंडर्ड्स में अतिरिक्त AI पॉलिसी ज़रूरतों को डॉक्युमेंट करें, एक्शनेबल अगले स्टेप्स को प्राइऑरिटी दें.

गवर्नेंस टीम्स तय करना और उन्हें ताकत देना — AI गवर्नेंस की देखरेख के लिए टीम्स नामित करें जिससे इन टीम्स को रिस्क्स को प्रोएक्टिव रूप से मैनेज करने और इवॉल्विंग ज़रूरतों के मुताबिक अडैप्ट होने के लिए अथॉरिटी और रिसोर्सेज़ से लैस करते हुए — अंदरूनी ज़िम्मेदार AI स्टैंडर्ड्स और बाहरी रेग्यूलेटरी फ़्रेमवर्क्स, दोनों का कंप्लायंस एनश्योर होता है.

1.2 ज़िम्मेदारी से बनाई गई AI टेक्नोलॉजी चुनें.

अपनी कंपनी के मौजूदा गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स के गहन रिव्यू से शुरुआत करें. संभवतः इन स्टैंडर्ड्स में पहले ही **प्राइवेसी, सिक्योरिटी, एक्सेसिबिलिटी** और **कानूनी पहलुओं** जैसे मुख्य क्षेत्र शामिल हैं. **जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेग्यूलेशन (GDPR)** और **AI-स्पेसिफ़िक फ़्रेमवर्क्स** जैसे ग्लोबल **बेंचमार्क्स** बहुत से ऑर्गनाइज़ेशन्स में कंप्लायंस और रिस्क निगरानी बरकरार रखने का हिस्सा हैं. इसके अलावा, गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स में **रीजनल पॉलिसीज** और — **AI ऑडिट्स** और **ज़िम्मेदारी स्टैंडर्ड्स** जैसे — **इंडस्ट्री-स्पेसिफ़िक स्टैंडर्ड्स** को शामिल किया जाना चाहिए.

AI टेक्नोलॉजीज़ के लिए ज़रूरी सिक्योरिटी और प्राइवेसी स्टैंडर्ड्स या सर्टिफ़िकेशन्स.

कुल रिस्पॉन्डेंट्स में से %, घटते क्रम में सॉर्ट किया गया.

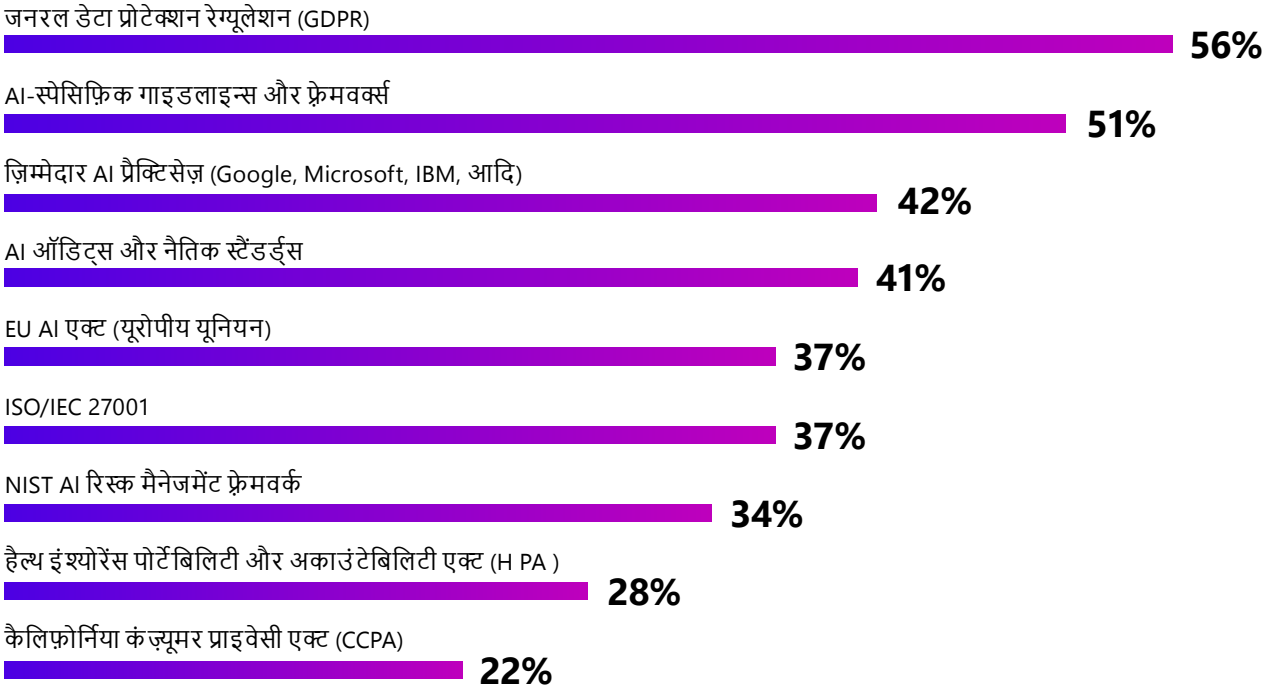

जब ऑर्गनाइज़ेशन अपनी ज़िम्मेदार AI उम्मीदों और गवर्नेंस फ़्रेमवर्क्स को आउटलाइन कर लेता है, तब ज़िम्मेदारी से बनी AI टेक्नोलॉजीज़ के लिए सेलेक्शन क्राइटेरिया तय करना अगला कदम होता है. इन क्राइटेरिया से मौजूदा स्टैंडर्ड्स इंटीग्रेट होने चाहिए और इनका ऑरिजिन की ट्रांसपेरेंसी, आउटपुट्स की सटीकता, ट्रेनिंग डेटा लाइसेंसिंग, बायस कम करने और कल्चरल लोकलाइज़ेशन जैसे जेनरेटिव AI से जुड़े यूनीक एलिमेंट्स पर फ़ोकस होना चाहिए.

रिसर्च के निष्कर्षों के मुताबिक, जेनरेटिव AI टेक्नोलॉजी का आंकलन करते समय ऑर्गनाइज़ेशन्स इन सब टॉप क्राइटेरिया का इस्तेमाल करते हैं:

1. **ट्रेनिंग डेटा का इवैल्यूशन (72%)**
2. **AI के इस्तेमाल के खुलासे (63%)**
3. **नुकसान को कम करना (60%)**
4. **ऑरिजिन की ट्रांसपेरेंसी (55%)**
5. **बायस को कम करना (50%)**

इन फ़ैक्टर्स से यह एनश्योर होता हैं कि चुनी गई AI टेक्नोलॉजीज़ लॉन्ग-टर्म ऑर्गनाइज़ेशनल कामयाबी को सपोर्ट करते हुए **बिज़नेस ज़रूरतों** और **नैतिक ज़िम्मेदारियों** दोनों को पूरा करती हों.

ऑर्गनाइज़ेशन्स को AI सॉल्यूशन्स को स्ट्रैटेजिक बिज़नेस मकसदों और ज़िम्मेदार AI सिद्धांतों दोनों से अलाइन होने वाले टार्गेटेड सेलेक्शन क्राइटेरिया का डेवलप करने चाहिए. ये क्राइटेरिया इन पर ज़ोर देते हैं:

ट्रांसपेरेंसी यह एनश्योर करना कि AI प्रोसेसेज़ समझाने लायक और ट्रेस करने लायक हो.	**कल्चरल लोकलाइज़ेशन** अलग-अलग तरह के कल्चरल और रीजनल कॉन्टेक्स्ट्स का पालन करने के लिए AI सिस्टम्स को अडैप्ट करना.
सटीकता डेटा सच्चाई और प्रिडिक्टिव विश्वसनीयता के लिए हाई स्टैंडर्ड्स बरकरार रखना.	**बायस को कम करना** निष्पक्ष और उचित AI परिणामों को सपोर्ट करने के लिए बायसेज़ को एक्टिव रूप से कम करना.

आंकलन और सेलेक्शन प्रोसेस के हर स्टेज को डॉक्युमेंट करने से अडैप्ट करने की क्षमता और जवाबदेही को मज़बूती मिलती है जिससे AI प्रगति और रेग्यूलेटरी बदलावों के साथ इवॉल्व हो सकने वाला लचीला गवर्नेंस मॉडल बनता है. नीचे आंकलन फ़ेज़ में उठाए जाने वाले स्टेप्स का सारांश दिया गया है:

आंकलन करें

स्टेप 1: ऑर्गनाइज़ेशनल तैयारी का आंकलन करें.

- AI समेत टेक्नोलॉजी के ज़िम्मेदार इस्तेमाल पर कंपनी के स्टैंडर्ड्स को डिफ़ाइन और कम्यूनिकेट करें.
- CIO और/या क्रॉस-कंपनी कमेटी मौजूदा सिस्टम्स और बिज़नेस प्रोसेसेज़ को रिव्यू करती है ताकि ज़िम्मेदार AI अपनाए जाने से सबसे ज़्यादा लाभ पाने वाली जगहें पहचानी जा सकें.
- ज़िम्मेदार AI अपनाए जाने पर सोच-विचार के लिए अतिरिक्त यूज़ केसेज़ पर अंदरूनी बिज़नेस और फ़ंक्शनल लीडर्स से इनपुट इकट्ठा करें.

स्टेप 2: ज़िम्मेदारी से बनाई गई AI टेक्नोलॉजी चुनें.

- AI सोच-विचारों के लिए प्राइवेसी, सिक्योरिटी, एक्सेसेबिलिटी और कानूनी तौर पर मौजूदा गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स को रिव्यू करें.
- ट्रांसपेरेंसी, सटीकता, बायस, कल्चरल लोकलाइज़ेशन और कंप्लायंस पर फ़ोकस करके ज़िम्मेदार AI उम्मीदें को पूरा करने वाले पहले से तय स्टैंडर्ड्स इंटीग्रेट करने वाले सेलेक्शन क्राइटेरिया को डेवलप करें.
- फ़ैसले लेने के प्रोसेस को डॉक्युमेंट करते हुए स्थापित क्राइटेरिया और बिज़नेस ज़रूरतों को बेहतरीन तरीके से पूरा करने वाली AI टेक्नोलॉजीज़ को इवैल्यूएट करें और चुनें.

2. पायलट करें: हाई-इम्पैक्ट यूज़ केसेज़ को पहचानना और पायलट करना.

पायलट फ़ेज AI एक्सपेरिमेंटेशन को ऑपरेशनल असलियत से जोड़ता है. इस फ़ेज़ से मुख्य स्टेकहोल्डर्स इस बारे में टेक्नोलॉजी परफ़ॉर्मेंस को इवैल्युएट कर पाते हैं कि यह बिज़नेस मकसदों और ज़िम्मेदार AI गोल्स से कैसे अलाइन होती है. इसमें टेक्नोलॉजिकल फ़ीज़िबिलिटी की टेस्टिंग से परे जाकर, मुख्य लीडर्स और स्टेकहोल्डर्स को सार्थक तरीकों से सीधे टेक्नोलॉजी से इंगेज होने में इनेबल करने पर फ़ोकस किया जाता है. यह लोगों को AI के साथ काम करने, इसकी स्केलेबिलिटी पर सोचा-समझा फ़ैसला लेने और यह एनश्योर करने के बारे में है कि इससे नैतिक, ऑपरेशनल और रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स पूरे होते हों.

पायलटिंग से ऑर्गनाइज़ेशन्स को कॉन्टेक्स्ट में AI सिस्टम्स को स्ट्रेस-टेस्ट करने का मौका मिलता है जिससे उन्हें यह समझने में मदद मिलती है कि जवाबदेही आंकलनों और ट्रांसपेरेंसी डॉक्युमेंटेशन की ज़रूरत कहाँ हो सकती है, इसके साथ ही उम्मीदों के मुकाबले नई क्षमताओं की परफ़ॉर्मेंस क्या है. इनसाइट्स को डॉक्युमेंट करके और एक्शनेबल सबक इकट्ठे करके, ऑर्गनाइज़ेशन्स AI को ज़िम्मेदारी से स्केल के लिए रोडमैप तय करते हैं जिससे तत्काल और लॉन्ग-टर्म दोनों मकसदों को सपोर्ट करने वाली नींव बनती है.

2.1 प्राइऑरिटी यूज़ केसेज़ को पहचानें और तैयार करें.

ज़बरदस्त AI बिज़नेस केस डेवलप करने में AI की संभावना का पूरा व्यू देने के लिए मुख्य स्टेकहोल्डर्स, फ़्रंट-लाइन इम्प्लॉयीज़ को इंगेज करना शामिल है. शुरुआत में ही टेक्नोलॉजी से सीधे इंटरैक्ट होने वाले लोगों को शामिल करके, ऑर्गनाइज़ेशन्स मार्केटिंग कॉन्टेंट क्रिएशन, कोडिंग, वर्कफ़्लो ऑटोमेशन और डेटा मैनेजमेंट जैसे ऐसे हाई-इम्पैक्ट यूज़ केसेज़ पहचान सकते हैं जहाँ AI टैंजिबल लाभ डिलीवर करती है.

स्पेसिफ़िक बनें – रोल्स के बजाय प्रोसेसेज़ पर फ़ोकस करें: खास रोल्स (जैसे, "डेवलपर्स के लिए AI") के इर्दगिर्द यूज़ केसेज़ फ़्रेम करने के बजाय, "रूटीन कोड रिव्यूज़ और एरर्स पहचानने को ऑटोमेट करने के लिए AI-असिस्टेड कोडिंग" जैसे उन प्रोसेसेज़ पर फ़ोकस करें जिन्हें AI स्ट्रीमलाइन कर सकता है और बेहतर बना सकता है.

यूसेज और लागत बचतों के लिए मेज़रेबल मेट्रिक्स तय करें: ROI हालाँकि अहम है, फिर भी AI पायलट्स में प्रोडक्टिविटी, बाजार में पहुँचने की तेज़ी, इम्प्लॉयी खुशी और बेहतर कस्टमर एक्सपीरिएंसेज़ जैसे व्यापक रिटर्न्स पर भी ज़ोर दिया जाना चाहिए — इन मेट्रिक्स को अकसर "रिटर्न ऑन एक्सपीरिएंस" कहा जाता है.

तुरंत लाभों से परे असर को बढ़ाएँ: AI इनीशिएटिव्स को लॉन्ग-टर्म ट्रांसफ़ॉर्मेशन के ड्राइवर के रूप में रखें. यूज़ केसेज़ से तुरंत ऑपरेशनल ज़रूरतें हल होने के साथ-साथ ये डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन या कॉम्पटिटिव अंतर जैसे स्ट्रैटेजिक गोल्स के साथ भी अलाइन होने चाहिए.

2.2 बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI क्राइटेरिया के प्रति पायलट करें.

पायलट्स को — बिज़नेस परफ़ॉर्मेंस और ज़िम्मेदार AI क्राइटेरिया — के दोहरे लेंस के ज़रिए इवैल्यूएट करने से यह एनश्योर करता है कि AI इनीशिएटिव्स ऑपरेशनल गोल्स और ज़िम्मेदार AI बेंचमार्क्स, दोनों को पूरे करते हों. सर्वे में शामिल आधे से ज़्यादा (54%) ऑर्गनाइज़ेशन्स ने अपने प्राइऑरिटी यूज़ केसेज़ के लिए स्वीकार्य रिस्क लेवल तय किया है. भविष्य के AI प्रोजेक्ट्स को सूचित करने के लिए सबक कैप्चर करते हुए ऑर्गनाइज़ेशन्स को इन इवैल्यूएशन्स को सही तरह से डॉक्युमेंट करना चाहिए. यह स्ट्रक्चर्ड अप्रोच स्केलेबल AI इम्प्लीमेंटेशन्स के लिए मज़बूत नींव बनाता है.

पायलटिंग करते समय लिए जाने वाले एक्शन्स:

बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI बेंचमार्क्स तय करें: (प्रोडक्टिविटी, लागत बचतें जैसे) ऑपरेशनल गोल्स और (ट्रांसपेरेंसी, निष्पक्षता जैसे) ज़िम्मेदार AI मेट्रिक्स दोनों को डिफ़ाइन करें.

रिस्क सीमाएँ तय करें: रिस्क पैरामीटर्स तय करें और AI से संबंधित रिस्क्स को असरदार तरीके से मैनेज और कम करने के लिए चल रहे आंकलनों के लिए फ़्रेमवर्क बनाएँ.

सबकों को कैप्चर और शेयर करें: ट्रांसपेरेंसी को सपोर्ट करने और भविष्य की स्केलिंग कोशिशों को गाइड करने में पायलट परिणामों को डॉक्युमेंट करने के लिए स्टैंडर्डाइज़्ड प्रोसेस डेवलप करें.

पायलट करें:

स्टेप 1: प्राइऑरिटी यूज़ केसेज़ की पहचान करें.

- मौजूदा बिज़नेस प्राइऑरिटी यूज़ केसेज़ से, 2–3 ऐसे पायलट्स पहचानें जहाँ AI नैतिकता और ज़िम्मेदारी अहम हैं.
- इन यूज़ केसेज़ में, बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI परफ़ॉर्मेंस, दोनों को ट्रैक करने के लिए मेट्रिक्स और सीमाएँ तय करें.

स्टेप 2: बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI क्राइटेरिया के प्रति पायलट करें.

- ज़रूरत के मुताबिक अतिरिक्त टेक्निकल, बिज़नेस और ज़िम्मेदारी वैलिडेशन और टेस्टिंग से पायलट्स को एग्ज़िक्यूट करें.
- सबकों को भविष्य के आंकलन और टेस्टिंग अप्रोचेज़ में डॉक्युमेंट करते हुए बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI उम्मीदों के लिए पहले से डिफ़ाइन किए गए मेट्रिक्स और सीमाओं के प्रति पायलट परिणामों को इवैल्यूएट करें.
- पायलट परिणामों और इनसाइट्स के आधार पर पाने/अपनाए जाने की तरफ़ आगे बढ़ें.

---

3. अपनाएँ: AI को पूरे ऑर्गनाइज़ेशन में ज़िम्मेदारी से इंटीग्रेट करना.

अपनाने का फ़ेज पायलट से पूरे ऑर्गनाइज़ेशन में इंटीग्रेशन की तरफ़ जाने का संकेत होता है. यह फ़ेज़ पायलट्स से सीखे गए सबकों को रियल-वर्ल्ड प्रैक्टिसेज़ में एम्बेड करते हुए AI को ज़िम्मेदारी से डिप्लॉय करते हुए — एक्सपेरिमेंटल एप्लिकेशन्स से पूरी तरह से ऑपरेशनल AI सिस्टम्स में जाने पर फ़ोकस करता है.

इस स्टेज में, आपके इम्प्लॉयीज़ अपने मौजूदा वर्कफ़्लोज़ के अंदर AI के रोल की एक्टिव ओनरशिप लेते हैं. पायलट फ़ेज़ से अपने प्रैक्टिकल एक्सपीरिएंस को बनाकर, इम्प्लॉयीज़ AI अपनाए जाने को आगे बढ़ाने के लिए लैस हैं.

3.1 ऑर्गनाइज़ेशन को ट्रेन करें और इनेबल करें.

AI को असरदार तरीके से स्केल करने के लिए AI की क्षमताओं और इसके इस्तेमाल के साथ आने वाली नैतिक ज़िम्मेदारियों दोनों को समझने वाली जानकार वर्कफ़ोर्स की ज़रूरत होती है. टेलर्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स से सभी रोल्स और डिपार्टमेंट्स के इम्प्लॉयीज़ को AI टूल्स से लाभ लाभ उठाने में मदद मिलनी चाहिए. करीब दो-तिहाई के साथ बहुत से ऑर्गनाइज़ेशन्स (89%) ज़िम्मेदार AI गाइडलाइन्स समेत ट्रेनिंग की अहमियत पहचानते हैं. ट्रेनिंग को टेक्निकल क्षमताएँ जवाबदेही, ट्रांसपेरेंसी और रेग्यूलेटरी कंप्लायंस के सिद्धांतों के साथ इंटीग्रेट करनी चाहिए.

ट्रेन और इनेबल करते समय एक्शन्स.

ट्रेनिंग को गवर्नेंस से अलाइन करें: इम्प्लॉयीज़ का कंप्लायंस, रिस्क मैनेजमेंट और ट्रांसपेरेंसी ज़रूरतों के बारे में जानकारी रखना एनश्योर करने के लिए ट्रेनिंग मैटिरिएल्स में ज़िम्मेदार AI गाइडलाइन्स को शामिल करें.

ट्रेनिंग को रोल्स मुताबिक कस्टमाइज़ करें: बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI, दोनों के लिए बेहतरीन प्रैक्टिसेज़ समेत खास फ़ंक्शन्स की ज़रूरतो पर ध्यान देते हुए टेलर्ड ट्रेनिंग मॉड्यूल्स को डेवलप करें.

3.2 ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए डिप्लॉय करें.

AI को स्केल पर अपनाए जाने के लिए ज़िम्मेदार इस्तेमाल एनश्योर करने वाला गवर्नेंस फ़्रेमवर्क तय करने की ज़रूरत होती है. ऑर्गनाइज़ेशन्स को अपने AI इनीशिएटिव्स को अपनी मौजूदा गवर्नेंस पॉलिसीज़ से अलाइन करना चाहिए, साथ ही अपनी पॉलिसीज़ को इवॉल्व हो रहे रेग्यूलेटरी, ऑपरेशनल और ज़िम्मेदार AI स्टैंडर्ड्स पूरे करने के लिए रिफ़ाइन करना चाहिए.

बड़े डिप्लॉयमेंट के लिए स्टैंडर्ड्स में ज़िम्मेदार AI पहलुओं को शामिल करने के प्लान्स.

कुल रिस्पॉन्डेंट्स में से %, घटते क्रम में सॉर्ट किया गया.

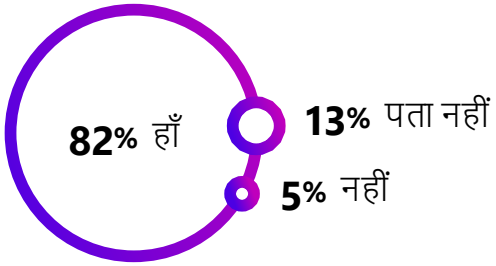

टेक्नोलॉजी गवर्नेंस कोशिशों में ज़िम्मेदार AI पहलुओं को शामिल करना.

कुल रिस्पॉन्डेंट्स में से %, घटते क्रम में सॉर्ट किया गया..

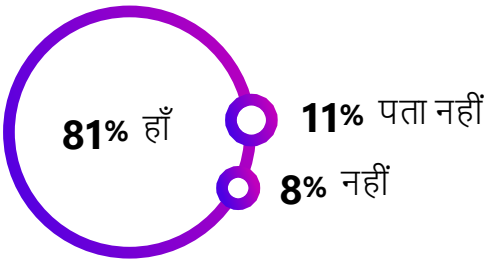

ज़िम्मेदारी से डिप्लॉय करने के लिए एक्शन्स:

जवाबदेही के कल्चर को बढ़ावा दें: टीम्स को हर स्तर पर ज़िम्मेदारी का बोध पैदा करते हुए ऑपरेशनल वर्कफ़्लोज़ और स्टेकहोल्डर भरोसे, दोनों पर AI के विशाल असर को समझने के लिए प्रोत्साहित करें.

ट्रेनिंग को लगातार इवॉल्व करें: जैसे-जैसे AI गवर्नेंस फ़्रेमवर्क्स इवॉल्व होते हैं, नई बेस्ट प्रैक्टिसेज़ और रेग्यूलेटरी बदलाव दर्शाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम्स को अपडेट करें.

अपनाएँ

स्टेप 1: ऑर्गनाइज़ेशन को ट्रेन करें और इनेबल करें.

- इसके लिए यूज़ केस स्पेसिफ़िक गाइडलाइन्स डेवलप करें कि ज़िम्मेदार AI सिद्धांतों के साथ AI का कैसे और कब इस्तेमाल किया जाए.
- सॉल्यूशन्स के रोल आउट होने पर बेस्ट प्रैक्टिसेज़ शामिल करते हुए रेलिवेंट ग्रुप्स को व्यापक ट्रेनिंग दें.
- पूरे ऑर्गनाइज़ेशन में कामयाबी का की खुशी मनाएँ और इसे शेयर करें.

स्टेप 2: ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए डिप्लॉय करें.

- हर टेक्नोलॉजी के लिए, अपनाए जाने की मुख्य ज़रूरतों (बिज़नेस असर, इंटीग्रेशन में आसानी और रिस्क कम करना जैसी) को कोडिफ़ाई करें.
- जहाँ ज़रूरी हो, लेन-देन पर अलाइन करने के लिए बिज़नेस लीडर्स के साथ मिलकर काम करें.
- मौजूदा गवर्नेंस फ़्रेमवर्क्स (जैसे एक्सेस, कंट्रोल, रोल्स) में मुख्य AI और ज़िम्मेदारी संबंधी सोच-विचारों को एम्बेड करें.

4. मॉनिटर करें: लगातार निगरानी और सुधार.

जैसे-जैसे AI सिस्टम्स फ़ुल-स्केल डिप्लॉयमेंट की तरफ़ बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे लगातार निगरानी और सुधार ज़रूरी हो गए हैं. **मॉनिटर फ़ेज** में रियल-टाइम ट्रैकिंग, कड़े परफ़ॉर्मेंस रिव्यूज़ और प्रोएक्टिव रिस्क मैनेजमेंट अप्रोच पर ज़ोर दिया जाता है ताकि यह एनश्योर किया जा सके कि AI सिस्टम्स असरदार, कंप्लायंट और ऑर्गनाइज़ेशनल गोल्स से अलाइन रहें. ज़िम्मेदार AI मेट्रिक्स को एम्बेड करके और स्ट्रक्चर्ड रिव्यू प्रोसेस को तय करके, ऑर्गनाइज़ेशन्स टिकाऊ भरोसे और ऑपरेशनल वैल्यू को बढ़ावा देते हुए इवॉल्व हो रही रेग्यूलेटरी माँगों और उभरते रिस्क्स के मुताबिक अडैप्ट हो सकते हैं.

4.1 परफ़ॉर्मेंस को बिज़नेस और ज़िम्मेदार AI बेंचमार्क्स के प्रति मॉनिटर करें.

टेक्नोलॉजी परिणामों की बेस्ट-इन-क्लास मॉनिटरिंग ऑटोमेटेड परफ़ॉर्मेंस ट्रैकिंग को मानवीय एक्सपर्टीज़ के साथ जोड़ती है. AI सिस्टम परफ़ॉर्मेंस के आंकलन के लिए हालाँकि कई ऑर्गनाइज़ेशन्स ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग टूल्स को अपनाया है, फिर भी इन टूल्स में मानवीय निगरानी जोड़े जाने से इनका असर बेहतर होता है. मानवीय टीम्स डेटा को एनालाइज़ करने, रिस्क्स को पहचानने और ज़रूरी एडजस्टमेंट्स के बारे में सोचे-समझे फ़ैसले लेने के लिए बेहतर तरीके से लैस हैं.

69% ऑर्गनाइज़ेशन्स हालाँकि रियल-टाइम मॉनिटरिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हैं, फिर भी मानवीय समझ के साथ जुड़ने पर ये काफ़ी ज़्यादा असरदार होते हैं. कई ऑर्गनाइज़ेशन्स टेक्निकल मेट्रिक्स को प्राइऑरिटी देते हैं जिसमें 72% सटीकता पर और 69% ROI पर फ़ोकस करते हैं, फिर भी ज़िम्मेदार स्केलिंग के लिए नैतिक पहलुओं पर भी ध्यान दिए जाने की ज़रूरत होती है. मानव निगरानी को एम्बेड करने से ट्रांसपेरेंसी और प्रीडिक्टेबिलिटी एनश्योर होते हैं जिससे अंदरूनी और बाहरी रूप से भरोसा बनता है. मॉनिटरिंग से आगे प्रोएक्टिव बायस का पता चल पाता है जिसमें 49% ऑर्गनाइज़ेशन्स इस मेट्रिक को ट्रैक करते हैं और 33% नुकसानदेह आउटपुट्स को मॉनिटर करते हैं. कंसिस्टेंट, प्रोएक्टिव

मॉनिटरिंग न होने पर, AI सिस्टम्स इंटीग्रिटी और भरोसे, दोनों का उल्लंघन कर सकते हैं. टेक्निकल और नैतिक रिस्क सुलझाने के लिए परफ़ॉर्मेंस मॉनिटरिंग को रिफ़ाइन करके, कंपनियाँ अपने ब्रांड की रक्षा करती हैं, यूज़र भरोसा बनाती हैं और AI को ज़िम्मेदारी से स्केल करने के लिए लचीली नींव बनाती हैं.

टेक्नोलॉजी और लोगों के बीच इस कोलैबोरेशन से ऑर्गनाइज़ेशन्स डेटा की गलतियों, उभरते हुए बायसेज़ या कंप्लायंस में चूकों जैसे संभावित रिस्क्स की जल्द पहचान कर पाते हैं.

टेक्नोलॉजी परफ़ॉर्मेंस और असरदार होने को ट्रैक करने के लिए AI-स्पेसिफ़िक पहलू.

कुल रिस्पॉन्डेंट्स में से %

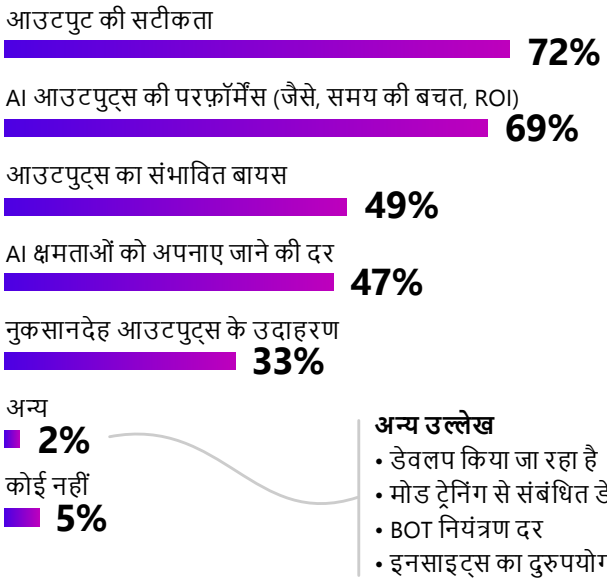

अन्य उल्लेख
- डेवलप किया जा रहा है
- मोड ट्रेनिंग से संबंधित डेटा प्राइवेसी
- BOT नियंत्रण दर
- इनसाइट्स का दुरुपयोग

करीब 1/3 ऑर्गनाइज़ेशन्स

में टेक्नोलॉजी परफ़ॉर्मेंस मेट्रिक्स और बिज़नेस परिणामों पर निरंतर सुधार को सपोर्ट करने के लिए स्टाफ़ नहीं है

4.2 जारी रिस्क मैनेजमेंट.

AI में रिस्क मैनेजमेंट ऐसा लगातार प्रोसेस है जिसे AI सिस्टम्स के साथ-साथ इवॉल्व होना चाहिए. AI रिस्क मैनेजमेंट के लिए स्ट्रक्चर्ड, क्रॉस-फ़ंक्शनल अप्रोच तय करने से ऑर्गनाइज़ेशन्स बिज़नेस और शोहरत संबंधी, दोनों रिस्क्स पर एक्टिव रूप से ध्यान दे पाते हैं. शेड्यूल किए गए रिव्यूज़ में टेक्निकल परफ़ॉर्मेंस और ज़िम्मेदार AI गोल्स, दोनों के गहन इवैल्यूएशन को एनश्योर करते हुए डेटा साइंटिस्ट्स, बिज़नेस लीडर्स और कानूनी/कंप्लायंस ऑफ़िसर्ज़ समेत पूरे ऑर्गनाइज़ेशन के स्टेकहोल्डर्स को शामिल किया जाना चाहिए.

AI रिस्क मैनेजमेंट तकनीकी प्रगति के साथ इवॉल्व होने वाला लगातार प्रोसेस है. साठ प्रतिशत ऑर्गनाइज़ेशन्स में डेटा और गवर्नेंस टीम्स शामिल हैं और 49% में AI कमेटीज़, कंप्लायंस और कानूनी टीम्स शामिल हैं — जिससे क्रॉस-फ़ंक्शनल कोलैबोरेशन की

ज़रूरत उजागर होती हैं. इस प्रोएक्टिव अप्रोच से ऑर्गनाइज़ेशन्स अंदरूनी वैल्यूज़ और बाहरी उम्मीदों, दोनों के साथ अलाइन रह पाते हैं. यह "क्यों" रेग्यूलेटरी बदलावों के मुताबिक अडैप्ट होने वाला लचीलापन बनाने के बारे में है. 68% ऑर्गनाइज़ेशन्स द्वारा रिस्क मैनेजमेंट में ज़िम्मेदार AI पर ज़ोर देने के साथ, व्यापक डॉक्युमेंटेशन और जारी रिस्क आंकलन ज़रूरी हैं.

टेक्नोलॉजी परफ़ॉर्मेंस और असरदार होने को ट्रैक करने के लिए AI-स्पेसिफ़िक पहलू.

कुल रिस्पॉन्डेंट्स में से %

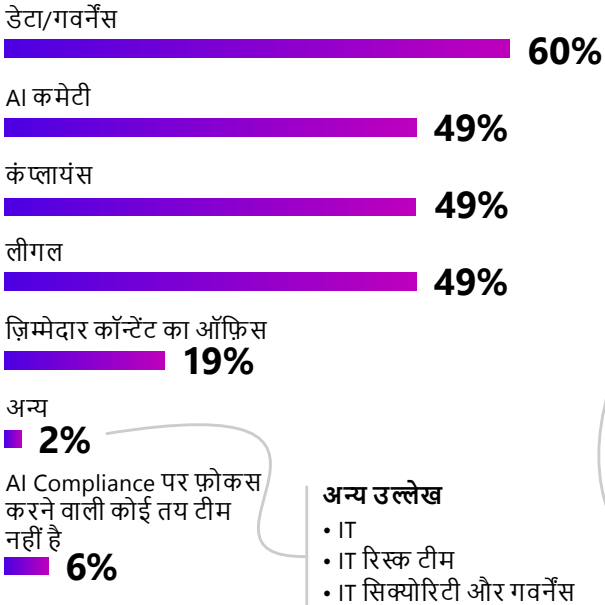

अन्य उल्लेख

- IT
- IT रिस्क टीम
- IT सिक्योरिटी और गवर्नेंस
- सिक्योरिटी
- साइबरसिक्योरिटी टीम
- हर बिज़नेस यूनिट में लोकल टेक्नोलॉजी फ़ंक्शन
- इन्फ़ॉर्मेशन ऑफ़िसर
- CTO ऑर्गनाइज़ेशन

कंप्लायंस एनश्योर करने वाली टीमों के लिए AI के ज़िम्मेदार और नैतिक इस्तेमाल के पहलुओं की अहमियत.

उनका % जो AI रेग्यूलेशंस और स्टैंडर्ड्स की मॉनिटरिंग करने पर फ़ोकस करने वाली तय टीम इंगित करते हैं

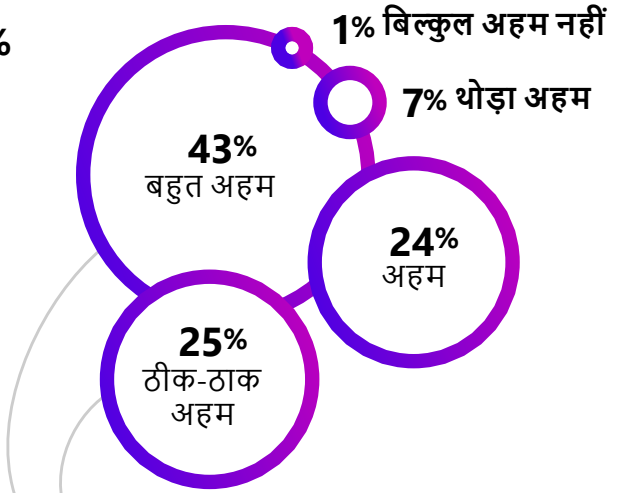

68%
बहुत अहम
+
ठीक-ठाक अहम

कड़े परफ़ॉर्मेंस मेट्रिक्स तय करके और लगातार रिस्क मैनेजमेंट के कल्चर को बढ़ावा देकर, ऑर्गनाइज़ेशन्स यह एनश्योर कर सकते हैं कि AI डिप्लॉयमेंट्स बिज़नेस गोल्स और ज़िम्मेदार AI प्राइऑरिटीज़, दोनों के साथ अलाइन रहें. क्रॉस-फ़ंक्शनल रिव्यूज़ और विस्तृत डॉक्युमेंटेशन के साथ जुड़कर प्रोएक्टिव मॉनिटरिंग ऑर्गनाइज़ेशन्स को कॉन्फ़िडेंस और जवाबदेही, दोनों के साथ AI-ड्रिवन ट्रांसफ़ॉर्मेशन लीड करने की स्थिति में लाती है.

रिस्क मैनेजमेंट में मुख्य एक्शन्स:

क्रॉस-फ़ंक्शनल रिस्क रिव्यूज़ तय करें: रियल-टाइम डेटा के आधार पर उभरते रिस्क पहचानने के लिए डेटा साइंटिस्ट्स, कंप्लायंस ऑफ़िसर्ज़ और कानूनी एक्सपर्ट्स को शामिल करते हुए नियमित रूप से रिस्क आंकलन करें.

कंसिस्टेंट रूप से ट्रैक और रिपोर्ट करें: इस्तेमाल लायक होने की दिक्कतों, बायसेज़ या अप्रत्याशित बर्तावों का पता लगाने के लिए इम्प्लॉयीज़ और एंड-यूज़र्स से लगातार फ़ीडबैक इकट्ठा करें.

मॉनिटर करें

स्टेप 1: परफ़ॉर्मेंस को मॉनिटर करें.

- बिज़नेस और ज़िम्मेदारी के गोल्स समेत लॉन्ग-टर्म AI परफ़ॉर्मेंस मेट्रिक्स को डिफ़ाइन और ट्रैक करें.
- ऑर्गनाइज़ेशन के ज़िम्मेदारी सिद्धांतों को सुरक्षित रखते हुए बिज़नेस परफ़ॉर्मेंस को लगातार बेहतर बनाने के लिए जारी रिव्यू तय करें और निष्कर्षों पर चर्चा करें.

स्टेप 2: ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए डिप्लॉय करें.

- इवॉल्व हो रहे AI रेग्यूलेशन्स और स्टैंडर्ड्स (जैसे Singapore AI-Verify, US कांग्रेस प्रपोज़ल आदि) को ट्रैक करने के लिए रोल्स को तय और इम्पावर करें और यह एनश्योर करें कि कंपनी के स्टैंडर्ड्स इसके मुताबिक अपडेट किए जाएँ.
- AI के इस्तेमाल से जुड़े रिस्क की निरंतर पहचान और इसे कम करने के लिए प्रोसेस डेवलप करें.
- इस बारे में डॉक्युमेंटेशन अपडेट करें कि ऑर्गनाइज़ेशन कंपनी के स्टैंडर्ड्स का कैसे पालन कर रहा है.

ADOBE केस स्टडी

जेनेरेटिव AI का अंदरूनी इस्तेमाल.

Adobe में, हम जेनरेटिव AI को मानवीय क्रिएटिविटी हटाने के बजाय इसे बढ़ाने की ताकत के साथ ट्रांसफ़ॉर्मेशनल टेक्नोलॉजी के रूप में देखते हैं. हम जवाबदेही, ज़िम्मेदारी और ट्रांसपेरेंसी के हमारे अपने AI Ethics सिद्धांतों से अंदरूनी रूप से अलाइन होने वाली जेनरेटिव AI टेक्नोलोजी के ज़िम्मेदार एक्सप्लोरेशन को बढ़ावा देते हैं.

जून 2023 में, Adobe ने CIO और CHRO द्वारा स्पॉन्सर किया गया क्रॉस-फ़ंक्शनल अंदरूनी वर्किंग ग्रुप बनाया ताकि इम्प्लॉयीज़ को Adobe के अंदर जेनरेटिव AI के सुरक्षित, ज़िम्मेदार और एजाइल तरीके से एक्सप्लोरेशन और इस्तेमाल को नेविगेट करने में मदद मिल सके. पूरी कंपनी के लीडर्स और सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट्स के साथ काम करने वाला यह ग्रुप जेनरेटिव AI इस्तेमाल के लिए हाइपोथिसेज़ के लैंडस्केप को समझकर, उचित गाइडलाइन्स तय करके और एक्सपेरिमेंटेशन को स्ट्रीमलाइन करके जमीनी स्तर के इम्प्लॉयी एक्सपेरिमेंटेशन के प्रति सोच-विचार वाले अप्रोच को गाइड करने पर फ़ोकस करता है. इस इनीशिएटिव में Adobe में जेनरेटिव AI यूज़ केसेज़ दर्शाने वाले चार पर्सोना-बेस्ड वर्किंग ग्रुप्स बनाए गए हैं और इवॉल्व हो रहे नैतिक, सिक्योरिटी, प्राइवेसी और अन्य कानूनी सोच-विचारों को ध्यान में रखने वाला इनटेक प्रोसेस, जेनरेटिव AI रिस्क टॉलरेंस फ़्रेमवर्क और यूज़ केस रिव्यू के लिए ब्लूप्रिंट स्थापित किया है. खास यूज़ केसेज़ के आधार पर अप्रूव्ड जेनरेटिव AI टूल्स और मॉडल्स की लिस्ट और जेनरेटिव AI के इम्प्लॉयी इस्तेमाल के लिए गाइडलाइन्स भी उपलब्ध हैं. मार्च 2024 में वेंडर जेनरेटिव AI गाइडलाइन्स के रोल आउट में जेनरेटिव AI और चुने गए प्रोडक्ट्स में फ़ीचर्स के इस्तेमाल पर ट्रेनिंग सेशन्स शामिल थे.

इस इनीशिएटिव के इम्प्लीमेंटेशन से जहाँ मुमकिन हो, वहाँ ज़्यादा तेज़ एक्सपेरिमेंटेशन और स्केल किए गए एप्लिकेशन के लिए प्रोसेस को स्ट्रीमलाइन करने में मदद मिली है और पूरी कंपनी में जेनरेटिव AI लैंडस्केप का आंकलन संभव हुआ है. Adobe सामूहिक एक्सप्लोरेशन के लिए कोलैबोरेटिव ईकोसिस्टम बनाने के लिए पूरे बिज़नेस में शेयर्ड सबकों और इनसाइट्स को बढ़ावा देना जारी रखे हुए है. हमारे अपने प्रोडक्ट्स में जेनरेटिव AI के विस्तार, जेनरेटिव AI टेक्नोलॉजी और मॉडल्स के प्रसार के साथ-साथ इवॉल्व हो रही कानूनी और रेग्यूलेटरी गाइडेंस के साथ यह प्रोग्राम लगातार इवॉल्व होता रहता है. एक्सपेरिमेंटेशन रिव्यू को मॉनिटर किया जाता है — टीम स्केल के लिए प्रोडक्शन में जाने वाले एक्सपेरिमेंट्स के लिए अप्रूवल के बाद एक्सपेरिमेंट ट्रैकिंग डेवलप कर रही है.

III. अपने ऑर्गनाइज़ेशन में बेस्ट प्रैक्टिसेज़ को शामिल करना.

AI सिस्टम्स को ज़िम्मेदारी से अपनाए जाने, मॉनिटर और ऑप्टिमाइज़ करने के लिए, ऑर्गनाइज़ेशन्स को व्यापक इम्प्लॉयी गाइडेंस देते हुए, वेंडर्स को कड़ाई से इवैल्यूएट करते हुए और मज़बूत AI गवर्नेंस लीवर्स तय करते हुए अनेक ऑपरेशनल जगहों पर फ़ोकस करना चाहिए. ऐसा करके, कंपनियाँ यह एनश्योर कर सकती हैं कि उनके AI इनीशिएटिव्स भरोसे, ट्रांसपेरेंसी और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाली प्रैक्टिसेज़ के साथ अलाइन करते हुए सिर्फ़ इवॉल्व हो रहे रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स ही पूरे न करे, बल्कि मौजूदा गवर्नेंस और रिस्क-मैनेजमेंट काम को भी आगे बढ़ाएँ.

इस सेक्शन में आपके दिन-प्रतिदिन के ऑपरेशन्स में इन बेस्ट प्रैक्टिसेज़ को शामिल करने के लिए प्रैक्टिकल स्टेप्स को आउटलाइन किया गया है.

1. इम्प्लॉयी यूज़ गाइडेंस:

ज़िम्मेदार डिप्लॉयमेंट एनश्योर करने के लिए अपने ऑर्गनाइज़ेशन की खास ज़रूरतों और रिस्क्स को फ़िट करने के लिए AI यूसेज़ गाइडलाइन्स को टेलर करना ज़रूरी है. इन गाइडलाइन्स से AI टेक्नोलॉजीज़ को डेटा सिक्योरिटी, ट्रांसपेरेंसी और जवाबदेही के प्रति कमिटमेंट्स से अलाइन करते हुए इम्प्लॉयीज़ को रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स और गवर्नेंस प्रोटोकॉल्स को नैविगेट करने में मदद मिलनी चाहिए.

1.1 डेटा सेंसिटिविटी:

साफ़-साफ़ तय करें कि अनऑथोराइज़्ड एक्सेस को रोकने के लिए डेटा प्रोसेसिंग कब लोकल रूप से या सख्त एक्सेस कंट्रोल के तहत होनी चाहिए; इसका मतलब यह भी है कि सेंसिटिव आउटपुट्स को जेनरेट या मैनिपुलेट कर सकने वाले प्रॉम्प्ट्स के इस्तेमाल से बचा जाए. यह गाइडलाइन प्रोपाइटरी जानकारी को सुरक्षित रखती है और डेटा प्राइवेसी रेग्यूलेशन्स से कंप्लायंस को बरकरार रखती है.

1.2 AI के इस्तेमाल में ट्रांसपेरेंसी:

AI की भागीदारी का तुरंत खुलासा करें जैसे जब अंदरूनी डॉक्युमेंट्स, कस्टमर फ़ेसिंग इंटरफेसेज़ या बाहरी कम्यूनिकेशन्स बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है. यह प्रैक्टिस जवाबदेही को बढ़ावा देती है और AI से जेनरेट किए गए कॉन्टेंट की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता में भरोसा बनाए रहती है जिससे कंपनी का ब्रांड और शोहरत बरकरार रहते हैं.

1.3 अकाउंट मैनेजमेंट पॉलिसीज़:

यह तय करते हुए कि कौन से टूल्स बिज़नेस मकसदों के लिए अप्रूव्ड हैं और वर्क कॉन्टेंट के लिए पर्सनल अकाउंट्स के इस्तेमाल को हतोत्साहित करते हुए, क्या ऑर्गनाइज़ेशनल ईमेल अकाउंट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है, इसे डिफ़ाइन करने समेत अकाउंट रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत वाले जेनरेटिव AI टूल्स के इस्तेमाल के लिए साफ़ पॉलिसीज़ स्थापित करें. इससे अनऑथोराइज़्ड इस्तेमाल से सुरक्षा मिलती है और ऑर्गनाइज़ेशन के व्यापक सूचना सिक्योरिटी प्रोग्राम के साथ अलाइनमेंट बरकरार रखने में मदद मिलती है.

इन गाइडलाइन्स को अपने ऑर्गनाइज़ेशनल कॉन्टेक्स्ट के मुताबिक टेलर करके, इम्प्लॉयीज़ कॉन्फ़िडेंस के साथ और ज़िम्मेदारी से जेनरेटिव AI टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे ऐसे एनवायरनमेंट में योगदान मिलता है जहाँ इनोवेशन और सही होना साथ-साथ चलते हैं.

2. वेंडर इवैल्यूशन नमूना सवाल.

AI वेंडर्स को इवैल्यूएट करने के लिए जानकारीपूर्ण सवालों और यह समझने की ज़रूरत होती है कि आप किन जवाबों को तलाश रहे हैं ताकि यह एनश्योर हो सके कि उनके सिस्टम्स ज़िम्मेदार AI, कानूनी और रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स का पालन करते हों. ये सवाल बेसलाइन आंकलन देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जिससे ऑर्गनाइज़ेशन्स संभावित साझेदारियों के बारे में सोचे-समझे फ़ैसले ले पाते हैं और AI अपनाए जाने से जुड़े रिस्क्स कम कर पाते हैं.

थीम	वैंडर सवाल	वजह	Adobe उदाहरण
डेटा की उत्पत्ति और इस्तेमाल	"AI सिस्टम के डेवलपमेंट और ट्रेनिंग में किन खास तरह के डेटा का इस्तेमाल किया गया था?"	AI मॉडल्स को ट्रेन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डेटा के सोर्सेज़, नेचर और स्कोप के बारे में इनसाइट्स देता है. इस सवाल से यह एनश्योर होता है कि वेंडर की डेटा प्रैक्टिसेज़ खरीदारों के ज़िम्मेदार AI स्टैंडर्ड्स से अलाइन हों और कानूनी मकसदों का पालन करें.	**Firefly:** Firefly फ़ाउंडेशन मॉडल्स को ट्रेन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डेटासेट्स में Adobe, एंटरप्राइज़ यूज़र कॉन्टेंट (Firefly इनपुट्स और आउटपुट्स समेत) शामिल नहीं करता है.
इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी कंप्लायंस	"क्या किन्हीं ऐसे डेटासेट्स का इस्तेमाल किया गया जिन पर शायद कॉपीराइट, इंटैलेक्चुअल प्रॉपर्टी या लाइसेंसिंग प्रतिबंध हैं?"	यह जाँच वेरिफ़ाई करती है कि सब डेटा सोर्सेज़ कानूनी हैं और अप्रूव्ड मेकेनिज़्म्स के ज़रिए हासिल किए गए हैं जिससे संभावित कानूनी विवादों से बचा जा सकता है.	**Firefly:** कस्टमर अपने Adobe क्रेडेंशियल्स के साथ लॉग इन करके stock.adobe.com/Dashboard/LicenseHistory पर किसी भी समय लाइसेंस हिस्ट्री की जानकारी देख सकते हैं.
ट्रेनिंग डेटा और लॉजिक ट्रांसपेरेंसी	"क्या आप ट्रेनिंग डेटा और AI सिस्टम को डेवलप करने में लागू किए गए लॉजिक का विस्तृत विवरण दे सकते हैं?"	इन पहलुओं में ट्रांसपेरेंसी से संभावित बायसेज़ की पहचान होती है और मॉडल के रीज़निंग प्रोसेस की समझ मिलती है जो कि इसकी विश्वसनीयता और निष्पक्षता का आंकलन करने के लिए बेहद अहम है.	**AEP AI Assistant:** Adobe किसी भी कस्टमर डेटा का Azure OpenAI सर्विस को ट्रेन या फ़ाइन-ट्यून करने के लिए इस्तेमाल नहीं करता है.
आउटपुट की स्पष्टता	"क्या आप AI सिस्टम के आउटपुट्स को सीधी सादी भाषा में समझा सकते हैं?"	आउटपुट्स का गैर-टेक्निकल रिव्यूर्ज़ के लिए समझने लायक होना एनश्योर करने से असरदार फ़ैसले लेना और ज़िम्मेदार यूसेज़ हो पाते हैं.	**Firefly**: Adobe कुछ Firefly-जेनरेटेड एसेट्स के लिए ऑटोमेटिक रूप से Content Credentials जेनरेट करता है जिससे यह ट्रांसपेरेंसी देने में मदद मिल सके कि यह एसेट जेनरेटिव AI का इस्तेमाल करके बनाया गया था.
मानवीय निगरानी	"अगर मानवीय रिव्यू AI सिस्टम का हिस्सा है, तो मानवीय भागीदारी की सीमा और प्रकृति क्या है?"	ऑटोमेटेड प्रोसेसेज़ और मानवीय समझ के बीच बैलेंस का पता होने से सिस्टम के ऑपरेशनल डायनेमिक्स इवैल्यूएट होते हैं और उन जगहों की पहचान होती है जहाँ क्वालिटी और ज़िम्मेदारी स्टैंडर्ड्स को बरकरार रखने के लिए मानवीय हस्तक्षेप ज़रूरी हो सकता है.	**Acrobat AI Assistant:** यह जानकारी कौन एक्सेस कर सकता है, Adobe ने इसे Adobe Generative AI Service के डेवलपमेंट में सीधे तौर पर शामिल ट्रेन्ड Adobe इम्प्लॉयीज़ के छोटे से नंबर तक ही सीमित कर दिया है.
निष्पक्षता और बायस इवैल्यूएशन	"बायस के प्रति AI सिस्टम का कैसे आंकलन किया गया था और इन इवैल्यूशंस के क्या परिणाम थे?"	यह सवाल उचित AI प्रैक्टिसेज़ और अलग-अलग डेमोग्राफ़िक ग्रुप्स पर गैर-बराबर तरीके से असर डाल सकने वाले बायसेज़ का पता लगाने और उन्हें कम करने के उनके तरीकों के प्रति वेंडर के संकल्प को दिखाता है.	**Acrobat AI Assistant**: Adobe टीम्स हमारे जेनरेटिव AI प्रोडक्ट्स में बायस वाले और नुकसानदेह परिणामों की आशंका कम करने के लिए टेस्टिंग करती हैं. Generative AI Built for Business solution brief देखें.
रिस्क कम करना	"क्या संभावित नुकसानदेह आउटपुट्स का आकलन किया गया है और इन रिस्क्स को कम करने के लिए क्या उपाय लागू किए गए थे?"	संभावित नेगेटिव परिणाम पहचानने और उन पर ध्यान देने में वेंडर के प्रोएक्टिव स्टेप्स का आंकलन करना नुकसान को दूर करना दिखाता है. इसका मतलब है कि AI सिस्टम को सुरक्षित तरीके और ज़िम्मेदारी से ऑपरेट करने के लिए टेस्ट किया जाता है.	**AEP AI Assistant:** (a) क्या AEP में AI Assistant में इनपुट (प्रॉम्प्ट) Adobe की Generative AI User Guidelines का पालन करता है, इसे तय करने के लिए और (b) इन गाइडलाइन्स का उल्लंघन करने वाले किन्हीं भी जेनरेटेड रिस्पॉन्सेज़ (मसलन, हेट स्पीच और गाली) को फ़िल्टर आउट करने के लिए Adobe अंदरूनी रूप से डेवलप किए गए कॉन्टेंट फ़िल्टर्स का इस्तेमाल करता है.

इन टार्गेटेड सवालों को पूछकर, ऑर्गनाइज़ेशन AI वेंडर्स का आंकलन कर सकते हैं और उनके AI ज़िम्मेदारी स्टैंडर्ड्स और ऑपरेशनल प्राइऑरिटीज़ से अलाइन होने वाले सोचे-समझे फ़ैसले कर सकते हैं. यह अप्रोच रिस्क्स को मैनेज करता है और इससे यह एनश्योर होता है कि AI वेंडर संबंध ट्रांसपेरेंसी, कंप्लायंस और ज़िम्मेदार इनोवेशन की नींव पर बने हों.

3. AI गवर्नेंस लीवर्स.

मज़बूत AI गवर्नेंस को इम्प्लीमेंट करने से यह एनश्योर होता है कि AI सिस्टम्स को ऑर्गनाइज़ेशनल वैल्यूज़ और रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स के साथ अलाइन करने वाले तरीके से डेवलप, डिप्लॉय और मॉनिटर किया जाए. European Union AI Act और सिंगापुर के AI Verify जैसे फ़्रेमवर्क्स जैसे बहुत से रेग्यूलेटरी स्टैंडर्ड्स मौजूद हैं. U.S. में, कंपनियों को राज्य-व्यापक प्राइवेसी कानूनों और NIST AI Risk Management Framework का पालन करना चाहिए क्योंकि यह भविष्य के रेग्यूलेशन की संभावित नींव है.

इन गवर्नेंस लीवर्स से ऑर्गनाइज़ेशन्स को AI रिस्क्स को मैनेज करने और ट्रांसपेरेंसी, जवाबदेही और सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिल सकती है:

AI इन्वेंट्रीज़	सेंट्रलाइज़्ड रिपॉज़िटरी के रूप में काम करने के लिए रिस्क प्रोफ़ाइल्स और स्ट्रैटेजिक प्राइऑरिटीज़ के मुताबिक केटेगराइज़ करके AI सिस्टम्स की इन्वेंट्रीज़ कायम करें.	क्या आपने अपने AI यूज़ केस को डॉक्युमेंट किया है और रेलिवेंट रिस्क्स को कैटेगराइज़ किया है?
फ़ीडबैक मेकेनिज़्म्स	एंड-यूज़र्स, कस्टमर्स और आम लोग जैसे AI डेवलपमेंट टीम के बाहर के लोगों से इनसाइट्स कैप्चर करने के लिए मज़बूत फ़ीडबैक चैनल्स कायम करें.	एंड-यूज़र्स, कस्टमर्स या आम लोगों से इनसाइट्स कैप्चर करने के लिए किन फ़ीडबैक चैनल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है?
सिस्टम की सीमाओं का डॉक्युमेंटेशन	AI मॉडल के नॉलेज गैप्स और इसके आउटपुट्स का भरोसेमंद तरीके से इस्तेमाल किए जाने के कॉन्टेक्स्ट के बारे में जानकारी समेत AI सिस्टम की सीमाओं को डॉक्युमेंट करें.	क्या आपने अपने AI यूज़ केसेज़ के लिए पता या अपेक्षित सीमाओं का डॉक्युमेंट किया है?
कॉन्टेंट की उत्पत्ति	ट्रेनिंग डेटा सोर्सेज़, इस्तेमाल किए गए एल्गोरिदम्स और ट्रांसफ़ॉर्मेशन को ट्रैक करने समेत AI-संबंधी डेटा के ऑरिजिन, हिस्ट्री और मॉडिफ़िकेशन्स को ट्रेस और वेरिफ़ाई करें.	आप बनाने से लेकर एंड यूज़ तक डेटा सार्सेज़ और ट्रांसफ़ॉर्मेशन समेत AI-संबंधी डेटा के ऑरिजिन, हिस्ट्री और मॉडिफ़िकेशन्स को कैसे ट्रैक कर रहे हैं?
AI टेस्टिंग और रेड टीमिंग	ट्रेनिंग डेटा के गैर-इरादतन एक्सपोज़र, रिवर्स इंजीनियरिंग के प्रति संवेदनशीलता और मॉडल एक्सट्रैक्शन से जुड़े रिस्क्स जैसे रिस्क्स का आंकलन करें.	कौन से टेस्टिंग प्रोटोकॉल्स अपनाए गए हैं और वे खास AI यूज़ केस रिस्क्स को कैसे हल करते हैं?
सिक्योर सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट	AI सिस्टम्स को कोडिंग और डिप्लॉयमेंट के लिए तयशुदा बेस्ट प्रैक्टिसेज़ का पालन करते हुए ऑर्गनाइज़ेशन के सिक्योर सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ़साइकल में इंटीग्रेट किया जाना चाहिए.	आपके AI यूज़ केस ने मौजूदा सिक्योर सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट प्रोटोकॉल्स को कैसे इंटीग्रेट किया है?
ट्रेनिंग	AI रिस्क्स को असरदार तरीके से मैनेज करने और ऑर्गनाइज़ेशनल स्टैंडर्ड्स के मुताबिक काम करने के लिए स्टेकहोल्डर्स को जानकारी से लैस करते हुए ट्रेनिंग में रेलिवेंट पॉलिसीज़, प्रोसीज़र्स और कंप्लायंस ज़रूरतें शामिल होने चाहिए.	क्या आपने AI गवर्नेंस और रिस्क मैनेजमेंट ट्रेनिंग में हिस्सा लिया है?

इनमें से हर बेस्ट प्रैक्टिस को मौजूदा प्रोसेसेज़ में एम्बेड करने से AI टेक्नोलॉजीज़ को ज़िम्मेदार रूप से अपनाया जाना, मैनेजमेंट और ऑप्टिमाइज़ेशन एनश्योर होते हैं. मज़बूत इम्प्लॉयी गाइडेंस देने, वेंडर्स को कड़ाई से इवैल्यूएट करने और व्यापक AI गवर्नेंस लीवर्स तय करने जैसी इन एक्टिविटीज़ को इंटीग्रेट करके ऑर्गनाइज़ेशन्स गवर्नेंस स्टैंडर्ड्स और रेग्यूलेटरी ज़रूरतों के साथ अलाइन होने वाली प्रैक्टिसेज़ की लचीली बेसलाइन बना सकते हैं जिससे वे सिर्फ़ आज के चैलेंजेज़ का सामना करने के लिए ही नहीं बल्कि भविष्य की कामयाबी के लिए AI को ज़िम्मेदारी से स्केल करने के लिए भी लैस हो पाते हैं.

IV. ज़िम्मेदार इम्प्लीमेंटेशन से ज़िम्मेदार इनोवेशन बनता है.

कंपनी में AI की संभावना को अधिकतम करने के लिए ज़िम्मेदारी से बनी टेक्नोलॉजी को सोर्स करना, साफ़ यूसेज़ गाइडलाइन्स तय करना, डेडिकेटेड ट्रेनिंग डेवलप करना और मज़बूत गवर्नेंस डिप्लॉय करना ज़रूरी है. यह अप्रोच बिज़नेस वैल्यू को बढ़ाता है और एनश्योर करता है कि AI इनीशिएटिव्स रेग्यूलेटरी अपेक्षाओं को पूरा करती हों और ज़िम्मेदार इम्प्लीमेंटेशन स्टैंडर्ड्स को बरकरार रखते हों जिससे पूरे ऑर्गनाइज़ेशन में ज़िम्मेदार AI का कल्चर इम्बेड होता है.

कंसिस्टेंट निगरानी और अडैप्टेशन से AI इनीशिएटिव्स को ट्रैक पर रखा जा सकता है. परफ़ॉर्मेंस मेट्रिक्स को डिफ़ाइन करके, नियमित रूप से इवैल्यूएशन्स करके और रिस्क्स को प्रोएक्टिव रूप से मैनेज करके, ऑर्गनाइज़ेशन्स रेग्यूलेटरी शिफ़्ट्स से आगे रह सकते हैं और अपने AI प्रोजेक्ट्स की इंटीग्रिटी बरकरार रख सकते हैं.

AI के साथ भविष्य की तरफ़ बढ़ते हुए, यह फ़्रेमवर्क ऑर्गनाइज़ेशन्स को ज़िम्मेदार AI लैंडस्केप के अंदर लीडिंग रोल निभाने के लिए लैस करता है. असर, इंटीग्रेशन और इंटीग्रिटी पर फ़ोकस के साथ, इस अप्रोच से सतत इनोवेशन और टिकाऊ कामयाबी मुमकिन हो पाते है.

Adobe

© 2024 Adobe. All rights reserved.

Adobe, the Adobe logo, and Acrobat are either registered trademarks or trademarks of Adobe in the United States and/or other countries.